भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1737

जिसका उत्तर 01.08.2024 को दिया जाना है

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति

1737. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे:
श्री संजय हरिभाऊ जाधव:
श्री अरविंद गणवत सावंत:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को खराब अनुरक्षण और बड़ी संख्या में गड्ढों के कारण बरसात के मौसम में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की खराब स्थिति के बारे में जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए अनुरक्षण गतिविधियों और इसके लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों की विशिष्ट जलवायु परिस्थितियों और स्थलाकृति का संज्ञान लिया है, जो राष्ट्रीय राजमार्गों की कार्यक्षमता, सुरक्षा और अनुरक्षण के लिए अद्वितीय चुनौतियां पेश कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन क्षेत्र-विशिष्ट अनुरक्षण मुद्दों के समाधान के लिए सरकार द्वारा उठाए गए या उठाए जाने वाले संभावित कदमों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। मंत्रालय और इसकी विभिन्न निष्पादन एजेंसियों जैसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) / सड़क निर्माण विभाग (आरसीडी) / राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) के निगमों द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति का आकलन किया जाता है। तदनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में बनाए रखने के लिए समय-समय पर रखरखाव कार्य किए जाते हैं; ऐसे कार्यों में विभिन्न कारणों से हुई कमियों और क्षतियों का सुधार, राष्ट्रीय राजमार्गों का पुनर्निमाण और सुदृढ़ीकरण, पुलों की मरम्मत/जीर्णोद्धार/निर्माण आदि शामिल हैं।

मंत्रालय ने महाराष्ट्र राज्य सहित सभी राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के रखरखाव और मरम्मत (एमएंडआर) को जिम्मेदार अनुरक्षण एजेंसी के माध्यम से सुनिश्चित करने के लिए एक कार्यतंत्र विकसित किया है।

राष्ट्रीय राजमार्गों के उन हिस्सों का एमएंडआर, जहां विकास कार्य शुरू हो चुके हैं या संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ओएमटी) रियायतें/ संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) अनुबंध दिए गए हैं, दोष देयता अवधि (डीएलपी)/रियायत अवधि के अंत तक संबंधित रियायतग्राही/ठेकेदारों की जिम्मेदारी है। इसी तरह, टीओटी (टोल ऑपरेट एंड ट्रांसफर) और इनविट (इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) के तहत किए गए राष्ट्रीय राजमार्गों के हिस्सों के लिए, एमएंडआर जिम्मेदारी रियायत अवधि के अंत तक संबंधित रियायतग्राही की है।

शेष राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के लिए मंत्रालय ने अनुबंध रखरखाव के माध्यम से रखरखाव कार्य करने का नीतिगत निर्णय लिया है, जो निष्पादन आधारित रखरखाव अनुबंध (पीबीएमसी) या अल्पकालिक रखरखाव अनुबंध (एसटीएमसी) है, जिससे राष्ट्रीय राजमार्गों का कोई भी खंड बिना किसी जवाबदेह अनुबंधित रखरखाव एजेंसी के नहीं होगा।

मंत्रालय ने पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत एवं पुनरुद्धार पर 23,214 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें इस अवधि के दौरान महाराष्ट्र राज्य के लिए 1,505 करोड़ रुपये शामिल हैं।

(ग) एवं (घ) महाराष्ट्र राज्य सहित सभी राष्ट्रीय राजमार्ग विकास/उन्नयन परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करते समय उच्च वर्षा, पहाड़ी भूभाग, मृदा श्रेणी आदि पहलुओं को अनिवार्य रूप से ध्यान में रखा जाता है।

रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, रायगढ़, ठाणे, मुंबई, पालघर, पुणे, नासिक, कोल्हापुर, सतारा और सांगली जिलों के अधिकांश हिस्सों को कवर करने वाले महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र और पश्चिमी घाट क्षेत्र जैसे उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए, ऐसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के उन्नयन/रखरखाव के दौरान उच्च तटबंध और पर्याप्त जल निकासी के साथ कंक्रीट सड़कें/ उच्च तटबंध के साथ व्हाइटटॉपिंग, विशेष एजेंसियों के परामर्श से भूस्खलन से बचाव के लिए ढलान संरक्षण कार्य, पर्याप्त सड़क फर्नीचर आदि प्रदान करने के प्रयास किए गए हैं।

इसके अलावा, रायगढ़, ठाणे, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और पालघर जैसे तटीय क्षेत्रों में समुद्री पर्यावरण से सुरक्षा के लिए विशेष उपचार जैसे इस्पात के लिए संक्षारण रोधी उपचार, पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था आदि किए गए हैं।

सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों को समय पर ठीक करने के लिए मैस्टिक, रैपिड सेटिंग कंक्रीट जैसे अन्य तरीकों का भी उपयोग किया जाता है।

*****